'kks/k&izLrko

[kksjBk lkfgR;dkj egkUnzukFk xksLokeh dk thou vkSj lkfgR; % ,d v/;;u

पीएच०डी उपाधि हेतु प्रस्तावित शोध iz:i dh :ijs[kk

Lukrdksùkj [kksjBk foHkkx]

jkaph fo'ofo|ky;] jkaph

ladk; % tutkrh; ,oa {ks=h; Hkk"kk

o"kZ & 2024

'kks/k funs'kd

MkW0 fjrq ?kks"kh
lgk;d izk/;kid
[kksjBk foHkkx
tutkrh; ,oa {ks=h; Hkk"kk foHkkx
jkaph ohesal dkWyst] jkaph
jkaph fo'ofo|ky;] jkaph

'kks/kkFkhZ

lat; dekj Bkdqj
;w0th0lh0 & usV@ts0vkj0,Q0
tutkrh; ,oa {ks=h; Hkk"kk ladk;
jkaph fo'ofo|ky;] jkaph

[kksjBk lkfgR;dkj egsUnzukFk xksLokeh dk thou vkSj lkfgR; % ,d v/;;u

iLrkouk %&

खोरठा झारखण्ड की एक स्वतंत्र एवं समृद्ध भाषा है। साहित्य के विविध विधाओं यथा—पद्य, गद्य एवं नाट्य विधा के अंतर्गत समाहित कविता, गीत, निबंध, उपन्यास, कहानी, संस्मरण, शब्द चित्र, लघुकथा आदि भाषा में लिखे गए हैं। संप्रति इसकी लिपि सर्वमान्य देवनागरी ही है। इसका लोक साहित्य न सिर्फ खोरठा क्षेत्र अपितु समस्त झारखण्ड क्षेत्र का अक्षय भाषायी भंडार है। झारखण्ड क्षेत्र में मुख्य तौर पर दो तरह की भाषाएँ — जनजातीय एवं क्षेत्रीय है। मुण्डारी, हो, खड़िया, कुडुख़ एवं संथाली जनजातीय एवं खोरठा, नागपुरी, कुरमाली और पंचपरगनिया क्षेत्रीय भाषाएँ हैं। इन नौ भाषाओं का अध्ययन एवं अध्यापन झारखण्ड के विभिन्न विद्यालयों में हो रहा है। खोरठा भाषा की उत्पति के संबंध में भाषा वैज्ञानिकों एवं विद्वानों के विभिन्न मत हैं। प्रसिद्ध भाषा वैज्ञानिक एवं लेखक डॉ0 ए0के0 झा का कहना है कि खोरठा भाषा मोहनजोदड़ों हड़प्पा काल में बोली के रूप में प्रचलित थी। उनका तर्क खरोष्ठी—खरोठी—खरोठा अंततः खोरठा से तादात्म्य (अभेद) रखता है। बहरहाल इतना तो तय है कि यह भाषा प्राचीन काल से निरंतर झारखण्ड की धरती में बोली जा रही है। आज से लगभग 74 साल पहले खोरठा भाषा की जो छवि अंधकारमय रूप में थी, आज एक विकसित भाषा के रूप में आगे बढ़ चुकी है।

वर्तमान में खोरठा भाषा का आधुनिक साहित्य समृद्ध हो गया है। खोरठा की पहली मासिक पत्रिका— ''मातृभाषा'' श्रीनिवास पानुरी के संपादन में जनवरी 1957 ई0 में धनबाद से प्रकाशित हुआ। 1957 ई0 में आकाशवाणी केन्द्र, राँची और 1980 ई0 में राँची विश्वविद्यालय, राँची में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग की स्थापना हुई। जिससे दिन प्रतिदिन नए—नए खोरठा कवि, लेखक, गायक एवं रचनाकारों का उदय होता चला गया और खोरठा भाषा—साहित्य भी अपने

विकास में अग्रसर होता चला गया। परिणामतः खोरठा भाषा–साहित्य की तमाम साहित्यिक विधाओं में शोध कार्य जारी है।

खोरठा भाषा–साहित्य में प्राचीन काल से ही एक से बढ़कर एक साहित्यकार हुए हैं। जिन्होंने अपनी रचना तथा काव्य सौन्दर्य से अन्य भाषा भाषियों को भी आकर्षित किया है। वर्तमान में क्षेत्रीय भाषाओं का महत्व आधुनिक परिवेश में बहुत अधिक बढ़ गया है। आज खोरठा साहित्य में शिष्ट साहित्य की पुष्ट धारा प्रवाहित हो रही है, जिसमें अनेक साहित्यकारों का योगदान प्राप्त होता जा रहा है। झारखण्ड आंदोलन में इस भाषा ने झारखण्डियों को संगठित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नये–नये कवि, लेखकों ने अपने गीत एवं कविताओं से संपूर्ण झारखण्ड आंदोलन को क्रांति से ओत–प्रोत किया। आधुनिक कवियों में श्रीनिवास पानुरी, विश्वनाथ दसौंधी 'राज' नरेश नीलकमल, डॉ0 ए.के. झा, विश्वनाथ नागर, शिवनाथ प्रमाणिक, डॉ0 बी0एन0 ओहदार, महेन्द्रनाथ गोस्वामी, सुकुमार, महेन्द्र प्रबुद्ध, डॉ0 बिनोद कुमार, डॉ0 कुमारी शशि, गिरीधारी गोस्वामी, श्याम सुंदर महतो, बासुदेव महतो, बासु बिहारी, अर्जुन पानुरी, नागेश्वर महतो, प्यारे हुसैन 'प्यारे पंचम महतो, बंशीलाल बंशी, संतोष कुमार महतो, डॉ0 गजाधर महतो, डॉ0 भोलानाथ महतो, प्रहलाद चंद्र दास, सिराजुद्दीन अंसारी, शांति भारत, पिरतोश कुमार प्रजापति, मनपुरन गोस्वामी, धंनजय प्रसाद, श्याम सुंदर केवट, डॉ0 दिनेश कुमार, जनार्दन गोस्वामी आदि अपनी मूल्यवान रचनाओं से खोरठा भाषा–साहित्य को समृद्ध कर रहे हैं। इन खोरठा कवियों, लेखकों व रचनाकारों के अतिरिक्त आधुनिककालीन खोरठा साहित्य में महेन्द्रनाथ गोस्वामी का स्थान महत्वपूर्ण माना जाता है। महेन्द्रनाथ गोस्वामी ने खोरठा भाषा–साहित्य से संबंधित कई महत्वपूर्ण कार्यों का संपादन किया है तथा भाषा–साहित्य के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। महेन्द्रनाथ गोस्वामी गद्य और पद्य दोनों ही विधाओं में पारंगत है।

महेन्द्रनाथ गोस्वामी का जन्म गिरिडीह जिला के नगरी निमियाघाट गांव में 03 अप्रैल 1955 ई0 को हुआ। महेन्द्रनाथ गोस्वामी जी की साहित्य में रूचि

सातवीं कक्षा से जागृत हुई और फिर खोरठा–हिन्दी में लिखने की परंपरा आगे बढ़ती रही।

egUnukFk xkLokeh }kjk jfpr ,o i:dkf'kr] dfork] [k.M dk0;] dgkuh] miU;kl] ukVd dh lwph %&

खण्ड काव्य – ओंगठा

कविता – पोहा (बाल कविता संग्रह)

कहानी – डेगे–डेगे कांटा, डहरेक दावेदार

उपन्यास – लाल कोठी

fgUnh e: i:dkf'kr jpuk,¡ %&

- पथ के दावेदार (कहानी संग्रह)
- मेघदूत (हिन्दी काव्यानुवाद)

vi:dkf'kr ¼i:l e½ %&

1. दामोदरेक धाइरे (खोरठा उपन्यास)
2. बाँसीक सुरें (खोरठा गीत–कविता संग्रह)

'kks/k dh ifjdYiuk %&

परिकल्पना शब्द 'परि' और 'कल्पना' दो शब्दों से मिलकर बना है। परि का अर्थ – चारों ओर तथा कल्पना का अर्थ 'चिंतन' है। इस प्रकार परिकल्पना से तात्पर्य किसी समस्या से संबंधित समस्त संभावित समाधानों पर विचार करना है। खोरठा भाषा–साहित्य में प्राचीन काल से ही एक से बढ़कर एक कवि, गायक, लेखक रचनाकार होते रहे हैं और उनमें से कई लेखकों पर शोध कार्य हुए हैं। इनमें डॉ0 ए0के0 झा, विश्वनाथ दसौंधी 'राज', चितरंजन महतो 'चित्रा' श्रीनिवास पानुरी आदि जैसे लेखकों पर शोध कार्य संपन्न हो चुके हैं तथा कुछ पर जारी है। इसी क्रम में प्रस्तावित रचनाकार महेन्द्रनाथ गोस्वामी पर शोध कार्य की योजना मन में एम0ए0 पाठ्यक्रम के दौरान से चली आ रही थी। चूँकि इनकी

रचनाओं से काफी प्रभावित हूँ और उनकी रचनाओं से प्रेरित होकर ही मैंने महान रचनाकार से संदर्भित शोध कार्य प्रारंभ करना चाहता हूँ। इससे खोरठा भाषा–साहित्य में अभिरूचि के साथ–साथ भाषा ज्ञान की क्षमता एवं योग्यता का विकास होगा।

'kks/k dh izsj.kk %&

प्रस्तुत शोध विषय की प्रेरणा मुझे स्नातकोत्तर में अध्ययन के दौरान अपने शिक्षकों से प्राप्त हुआ। जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय, राँची के स्नातकोत्तर (एम0ए0) पाठ्यक्रम के द्वितीय सेमेस्टर का सातवाँ पत्र 'अपनी भाषा के आधुनिक कवि और काव्य' का अध्ययन के दौरान मुझे पता चला कि बहुत सारे आधुनिक खोरठा कवियों की जीवनी एवं इनकी रचनाएं उपेक्षित पड़ी हुई है। अतः मैंने महसूस किया अगर मुझे जीवन में शोध कार्य का अवसर मिला तो मैं आधुनिक गुनिक कवि महेन्द्रनाथ गोस्वामी की जीवनी और इनकी बिखरी पड़ी रचनाओं का समेटने की कोशिश करूँगा, जिससे आने वाली पीढ़ी को इस शोध कार्य के द्वारा जानकारियाँ दे सकूँगा।

'kks/k dk mís'; %&

किसी शोध कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व शोध से संबंधित उद्देश्य निर्धारित किये जाते हैं।

bl 'kks/k dk fuEukafdr mís'; %&

(i) खोरठा भाषा का उद्भव एवं विकास का अध्ययन करना।

(ii) खोरठा भाषा का उद्भव एवं विकास का अध्ययन करना।

(iii) खोरठा भाषा–साहित्य के आने वाले शोधार्थियों के लिए सूचना संकलन, संग्रहण एवं विश्लेषण करना।

(iv) आधुनिक खोरठा कवि महेन्द्रनाथ गोस्वामी की कृतियाँ को सामाजिक, सांस्कृतिक तथा भाषायी जनजीवन की कसौटी पर रखना।

(v) खोरठा भाषा के शैक्षणिक एवं साहित्यिक विकास में महेन्द्रनाथ गोस्वामी के योगदान को दर्शाना।

'kks/k dk egRo %&

(i) इस शोध प्रबंध के प्रकाशित होने से आधुनिक खोरठा कवि महेन्द्रनाथ गोस्वामी का सम्मान बढ़ेगा।

(ii) निज भाषा प्रेम एवं अपनी संस्कृति के प्रति लोगों का रूझान बढ़ेगा तथा नई जागृति उत्पन्न होगी।

(iii) इस शोध प्रबंध के माध्यम से समस्त खोरठा भाषा–भाषियों, समाज के कवियों और साहित्यकारों का सम्मान बढ़ेगा।

(iv) क्षेत्रीय भाषा के पाठक अपनी समृद्ध भाषा से परिचय प्राप्त करेंगे जिससे भाषा एवं साहित्य का प्रचार व्यापक पैमाने पर संभव हो सकेगा।

fo"k; ls lacaf/kr iwoZ 'kks/k dk;ksZ dk fooj.k %&

प्रस्तावित शोध प्रबंध एक नया शोध विषय है। अब तक इस पर कोई शोध कार्य नहीं हुआ है। परंतु प्रस्तावित शोध कार्य से संबंधित खोरठा साहित्यकारों के अनेको पुस्तक प्रकाशित है। अब तब प्रकाशित शोध एवं उपलब्ध पुस्तकें इस शोध कार्य को संम्पन्न करने में मुझे आधार ग्रंथ के रूप में सहायता प्रदान करेंगे।

'kk/k i:fof/k %&

प्रस्तावित शोध को पूर्ण करने हेतु शोध पद्धति के रूप में विश्लेषणात्मक तथा वर्णनात्मक पद्धति का अनुसरण किया जाएगा एवं शोध विधि के रूप में यथोचित साक्षात्कार एवं प्रश्नावली विधि का प्रयोग किया जाएगा।

Ikexh I:dyu d: fy, mi;kx e: vku: oky: fofHkUu midj.k %&

दूरस्थ लोगों से पत्राचार

समकालीन खोरठा रचनाकरों से पत्राचार

कैमरा, कम्प्यूटर, लैपटॉप

सूचनादाता

टंकण मशीन, रेडियो, समाचार पत्र

मोबाईल

पेन ड्राइव, इंटरनेट आदि

vLFkk;h v/;k;hdj.k %

izFke v/;k; % [kksjBk lkfgR; dh ijaijk

(क) खोरठा साहित्य का सामान्य परिचय : इतिहास और वर्तमान

(ख) खोरठा साहित्य का उद्‌भव एवं विकास

f}rh; v/;k; % egUnzukFk xksLokeh & thou ifjp;

(क) जन्म, बाल्यावस्था, युवावस्था एवं प्रौढ़ावस्था

(ख) पारिवारिक जीवन की प्रमुख घटनाएँ

(ग) शिक्षा

(घ) आजीविका

r`rh; v/;k; % egUnzukFk xksLokeh dh ledkyhu ifjfLFkfr;k¡

(क) राजनीतिक

(ख) सामाजिक

(ग) आर्थिक

(घ) पारिवारिक

prqFkZ v/;k; % egUnzukFk xksLokeh dk i| lkfgR;

(क) प्रबंध काव्य

(i) भाव पक्ष (ii) कला पक्ष

(ख) मुक्तक काव्य

(i) भाव पक्ष (ii) कला पक्ष

i¡pe v/;k; % egsUnzukFk xksLokeh dk x| lkfgR;

(क) उपन्यास

(ख) नाटक

(ग) कहानी

(घ) निबंध साहित्य

"k"B v/;k; % i=&if=dk o tu lapkj ek/;eksa ls izdkf'kr&izlkfjr lkfgR;

(क) खोरठा पत्रिका

(ख) आकाशवाणी

(ग) सोशल मीडिया

(घ) अन्य पत्रिका

lIre v/;k; % egsUnzukFk xksLokeh dk cgqeq[kh O;fDrRo

(क) खोरठा भाषायी आंदोलन में योगदान

(ख) खोरठा भाषा संस्थाओं में भूमिका

(ग) खोरठा भाषा एवं साहित्य के विकास में योगदान

(घ) कला की अन्य विधाओं में रूचि

'kks/k fu"d"kZ

vk/kkj xzFkksa dh lwph %&

संदर्भ ग्रंथों की सूची

समाचार पत्रो की सूची

साक्षात्कार सूची

चित्रावली

परिशिष्ट

ukV %& izLrkfor 'kks/k izLrko esa vko';drkuqlkj vko'; ifjorZu izkFkZuh; gSA

'kks/k funsZ'kd

MkW0 fjrq ?kks"kh
lgk;d izk/;kid
[kkjBk foHkkx
tutkrh; ,oa {ks=h; Hkk"kk foHkkx
jkaph oheSal dkWyst] jkaph
jkaph fo'ofo|ky;] jkaph

'kks/kkFkhZ

lat; dqekj BkdqÞj
;w0th0lh0 & usV@ts0vkj0,Q0
tutkrh; ,oa {ks=h; Hkk"kk ladk;
jkaph fo'ofo|ky;] jkaph

vk/kkj xzFkksa dh lwph

Øe la-	ys[kd	xzaFk dk uke	izdk'kd	o"kZ
1.	कुमारी डॉ0 अर्चना	खोरठा का शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन	प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन, राँची	2015
2.	डॉ0 झा ए0के0	खोरठा भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन	झारखण्ड झरोखा, राँची	2012
3.	दांगी, डॉ0 आनंद किशोर	खोरठा कवियों का काव्यगत परिचय	झारखण्ड झरोखा, राँची	
4.	ओहदार, डॉ0 बी0एन0	खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्भव एवं विकास)	खोरठा भाषा साहित्य अकादमी	
5.	ओहदार, डॉ0 बी0एन0	सम्पूर्ण खोरठा भाषा एवं साहित्य	मार्गदर्शन पब्लिकेशन, राँची	2018
6.	दिनमणि, डॉ0 दिनेश कुमार	आधुनिक खोरठा बेयाकरन	शिवांगन पब्लिकेशन, राँची	2021
7.	प्रभाकर, डॉ0 गजाधर महतो	खोरठा भाषा साहित्य	सफल प्रकाशन, राँची	2017
8.	सुधाकर महेन्द्रनाथ गोस्वामी	ओंगठा	आभास आपन भाषा संस्कृति, गुनधसा, धनबाद	2011
9.	सुधाकर महेन्द्रनाथ गोस्वामी	डेगें–डेगें काँटा	आभास आपन भाषा संस्कृति, गुनघसा, धनबाद	2011
10.	सुधाकर महेन्द्रनाथ गोस्वामी	जोंक	झारखण्ड झरोखा, राँची	2015
11.	सुधाकर महेन्द्रनाथ गोस्वामी	लालकोठी	झारखण्ड झरोखा, राँची	2020

सन्दर्भ ग्रन्थ की सूची

क्र॰ सं॰	लेखक	वर्ष	ग्रन्थ का नाम	प्रकाशक
1.	ओहदार, डॉ0 बी0एन0	2007	खोरठा भाषा साहित्य (उद्भव एवं विकास)	मार्ग दर्शन पब्लिकेशन, राँची
2.	ओहदार, डॉ0 बी0एन0	2007	खोरठा लोक साहित्य	रामगढ़
3.	कुमारी, डॉ0 अर्चना	2015	खोरठा शिष्ट कथा साहित्य : एक अध्ययन	प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन, राँची
4.	कुमार, प्रो0 डॉ0 बिनोद	1990	सोंध–माटी	जनजातीय भाषा अकादमी, बिहार सराकर, राँची
5.	गौंझू, डॉ0 गिरिधारी राम	2015	झारखण्ड का लोक संगीत	झारखण्ड झरोखा, राँची
6.	चित्रा, चितरंजन महतो	2007	छांहइर	खोरठा भाषा साहित्य–संस्कृति अकादमी, रामगढ़
7.	झा, डॉ0 ए0के0	1983	खोरठा काठेक गइदेक खड़ी	राँची
8.	झा, डॉ0 ए0के0	2010	खोरठा साहित्य सदानिक बेयाकरण	झारखण्ड झरोखा, राँची
9.	झा, डॉ0 ए0के0	2011	रस छंद अलंकार	बोकारो
10.	बंशी, बंशीलाल	1992	डींड़ाक डोआनी (50 काव्य)	चास, बोकारो
11.	महतो, पंचम	2001	फरीछ, डहर	बालीडीह खोरठा कमिटी, बोकारो
12.	प्रमाणिक, शिवनाथ	2004	खोरठा लोक साहित्य	खोरठा साहित्य–संस्कृति परिषद्, बोकारो
13.	सुधाकर, महेन्द्रनाथ गोस्वामी	2011	ओंगठा (खंड काव्य)	आभास आपन भाषा–संस्कृति गुनधसा, गोमो, धनबाद

खोरठा भाषा की पत्र-पत्रिकाए

Ø-l-	if=dk	lEiknd	izdk'ku	o"kZ
1.	मातृभाषा	श्रीनिवास पानुरी	धनबाद	1957
2.	खोरठा	श्रीनिवास पानुरी	धनबाद	1970
3.	तितकी	विश्वनाथ दसौंधी	कतरास	1977
4.	तितकी	डॉ0 ए0के0 झा	रामगढ़	1983
5.	तितकी	शांति भारत, दिनेश दिनमणि	बोकारो	1997
6.	लुआठी	गिरधारी गोस्वामी	बालीडीह	1997
7.	ईंजोर	धनंजय प्रसाद	देवघर	1999
8.	सहिया	अनिल कुमार गोस्वामी	बोकारो	2000
9.	धरतीथान	शिवनंदन पाण्डेय	गिरिडीह	2008
10.	परासफुल	महेन्द्र प्रबुद्ध	धनबाद	2008
11.	करील	बी0एन0 ओहदार, दिनेश दिनमणि	ओरमांझी	2009
12.	फुनगी	श्यामसुन्दर केवट	बोकारो	2024